सिक्किम विश्वविद्यालय

क्रॉनिकल

भाग ३, अंक १ | अप्रैल २०१५ | www.cus.ac.in

प्रोफेसर टी बी सुब्बा
कुलपति

इस अंक में

कुलपति की कलम से Page 1

क्षेत्र यात्रा Page 2

उपलब्धियाँ Page 2

शीत सांस्कृतिक अनुवाद कार्निवल की गाथा Page 3

काम ही काम, न कोई आमोद न आराम, फिर कैसे चमके चिपटू राम Page 3

स्वाइन फ्लू पर एक जागरूकता कार्यक्रम Page 4

विश्व क्षय रोग दिवस 2015 को क्षय रोग पर एक जागरूकता कार्यक्रम Page 4

विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह Page 4

कुलपति की कलम से

सिक्किम विश्वविद्यालय परिवार के प्रिय सदस्य,

आप सभी को नमस्कार!

आप ने क्रॉनिकल के संपादक के कार्यालय में परिवर्तन पर ध्यान दिया होगा। लगभग दो साल के लिए समाचार पत्र की देखरेख करने हेतु विश्वविद्यालय डॉ कृष्ण अनंत, अध्यक्ष, इतिहास विभाग का आभारी है तथा सुश्री जैस्मीन यिमचुंगर, सहायक प्राध्यापक, जनसंचार विभाग का नए संपादक के रूप में स्वागत करता है। इस बदलाव के साथ-साथ समाचार पत्र में संपादकीय टीम, कवरेज एवं इसकी शैली जैसे कुछ अन्य बदलाव भी हो सकते हैं। हम सभी अपनी समझ के हिसाब से अपने आस-पास की दुनिया बनाते हैय किसी अन्य की समझ के हिसाब से कुछ करने की उम्मीद हमसे नहीं की जा सकती है। किसी भी संस्था के लिए कर्सी समाचार-पत्र के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। यह प्रामाणित है कि खबर का निर्धारित समय में एक संस्था के हितधारकों तक पहुँचना आवश्यक और वांछनीय है। समाचार-पत्र को मुद्रित करने के लिए सुझाव दिए गए, लेकिन छपाई जनता के के खर्चे पर होती है और अगर हितधारक निशुल्क रूप से समाचार पत्र की प्रतियां वितरित करने में ध्यान नहीं देते हैं, तो यह संपादक और संपादकीय टीम की कड़ी मेहनत का अपमान होगा और अगर इस पर कीमत लगाई जाए, तो शायद ही इसे कोई खरीदेगा। जहां तक संभव हो, मुद्रण से बचा भी जाना चाहिए, चूंकि यह एक गहरा कार्बन पदचिह्न छोड़ता है।

मुझे हर्ष होगा, अगर समाचार पत्र नियमित रूप से और निर्धारित समय पर प्रकाशित हो, भले ही कुछ अंकों में यह सिर्फ एक ही पृष्ठ का हो।

टी बी सुब्बा
कुलपति
सिक्किम विश्वविद्यालय

Upcoming Events & Seminars

2015, April 17 : "Juvenis-2015" - Management Fest. Organised by the Department of Management, Sikkim University.

2015, April 25 - 27 : International Conference on Cultural Heritage of Sikkim. Organized by the Department of Anthropology, Sikkim University

2015, April 25 - 26 : National Seminar on "Police, Internal Security and Human Rights: Issues and Challenges in North-East India". Organized by Sikkim University

2015, May 01 - 03 : Three-Day Interdisciplinary Inter-School National Seminar on "Trends in Contemporary Literature : Issues and Perspectives".

For Details: Log on to **www.cus.ac.in**

Editorial Team Members

Jasmine Yimchunger
Faculty
Department of Mass Communication

Dr. Sebastian N
Faculty
Department of International Relation

Dr. Dhriti Roy
Faculty
Department of Chinese

Jigme Wangchuk Bhutia
Faculty
Department of Tourism

Aaron Eliza Lepcha
Student
Department of Mass Communication

Tamanna Tamang
Student
Department of Mass Communication

Shruti Chettri
Student
Department of Mass Communication.

Gilbert Tamang
Student
Department of English

Shailesh Shukla
Hindi Officer

Jutika Goswami
Hindi Translator

Layout & Design by:
Dorjee Sherpa
Department of Mass Communication

Mailing Address
suchronicle@cus.ac.in

संपादक की कलम से

क्रॉनिकल का आखिरी अंक प्रकाशित हुए काफी समय बीत चुका है और यह मेरा विशेषाधिकार है कि मैं अपनी टीम के साथ यह फिर से शुरू कर रही हूँ. विश्वविद्यालय का एक एकीकृत परिसर न होने के कारण विश्वविद्यालय के सभी विभाग, अनुभाग एवं कार्यालय बिखरे हुए हैं. और यह केवल विश्वविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों के योगदान और कर्मचारियों के साथ संभव हो पाएगा. हम विश्वविद्यालय क्रॉनिकल के इस अंक के योगदानकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हैं, और उम्मीद है कि हमारे पाठकों को सूचनाएं मिलेंगी. हम आगे के अंकों में और अधिक योगदान की उम्मीद करते हैं.लंबे अंतराल के कारण इस में पुरानी सामग्री है, लेकिन अगले अंक से सभी सामग्री समयबद्ध होगी.एक साथ मिलकर हम इस समाचार पत्र को जीवंत और सूचनात्मक बना सकते हैं. जुड़े रहो!

जैस्मीन युम्चुंगर

प्रकाशन

डॉ वी.कृष्ण अनंत, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, 'अचुतानंदंस स्प्लेंडिड आइसोलेशनश', ईपीडब्लू, कमेन्ट्री, 28 मार्च 2015 खंड 1, नंबर 13.

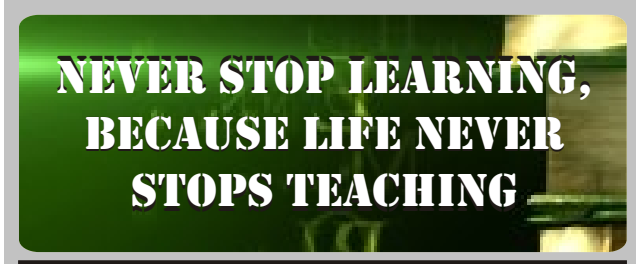

क्षेत्र यात्रा

राज्य विधानसभा के अपने दौरे के बाद राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र

राजनीति विज्ञान विभाग के छात्रों ने 16–17 मार्च, 2015 के दौरान राज्य विधान सभा के कार्यालय का दौरा किया। उनकी इस यात्रा के दौरान, उन्हें नौवीं सिक्किम विधान सभा के सत्र में भाग लेने का अवसर भी मिला। राजनीति विज्ञान विभाग का मानना है ऐसा करना छात्रो को राज्य के राजनीतिक परिदृश्य को बेहतर तरीके से समझने में सक्षम बनाता है। छात्रों ने कार्रवाई में सरकार की एक झलक और जीवंत संसदीय बहस और विधानसभा में नीति निर्माण को देखा।

Seminars, Workshops and Conferences

Dr. Samar Sinha, Assistant Professor, Department of Nepali, presented a paper titled "Don't lose sight of the forest for the trees: Language vitality and other adventures in the Darjeeling-Sikkim Himalayas" in a conference, Revitalising Endangered Languages: Objectives, Issues, and Strategies, held at Jawaharlal Nehru University, 9-10 December, 2014

Dr. Samar Sinha, Assistant Professor, Department of Nepali, presented a paper titled "Indian Sign Language: Problems and Prospects" at Azim Premji University, Bengaluru, 29 December, 2014.

Dr. Dhriti Roy, Assistant Professor, at the Department of Chinese presented a paper titled, "Northeast India and Southwest China, Re-visiting the Unexplored Domain of Historical Contact, Re-thinking Colonial Space" in an international conference on "Reimagining India's Northeast: Narratives, Networks and Negotiations", organized by the Centre for North East Studies and Policy Research, Jamia Millia Islamia, 4-6 February, 2015.

Dr. Sujata Upadhyay, Assistant Professor, Department of Horticulture, presented a paper titled "Policy Vision and Initiatives of Sikkim Organic Mission-Strategies and Action Plans" in the Symposium on "Management and Procurement of Integrated Waste Management System" organized by Knowledge Incubation Cell, Centre for Educational Technology, IIT, Guwahati, 6-7 February, 2015.

Dr Samar Sinha, Assistant Professor, Department of Nepali attended workshops "Introduction to Optimality Theory" and "Child Phonological Acquisition" held at Jawaharlal Nehru University on 9-10 December, 2014.

Dr. Samar Sinha attended a Two-Day Seminar-cum-Workshop on "The Role of Linguistics in Mother-Tongue Education in a Multilingual Classroom" held at Jawaharlal Nehru University, 21-22 February, 2015.

Dr. Sujata Upadhyay, Assistant Professor, Department of Horticulture, participated in an "Orientation Programme for Untrained NSS Programme Officers" organized by Training Orientation and Research Centre, Ramakrishna Mission Ashrama, Narendrapur, Kolkata, 8-14 February, 2015.

Bishnu Lal Bhujel and **Suman Rai**, MPhil students, Department of Nepali, attended Capacity Building Programme on Cultural Resource Management at Rajiv Gandhi University, Itanagar, Arunachal Pradesh from 9-12 February, 2015.

उपलब्धियाँ

श्री बिप्लव कुमार और सुश्री मोनिका लकांद्री, राजनीति विज्ञान विभाग के छात्रों ने ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, भारत के एक प्रमुख थिंक टैंक द्वारा भारत और चीन के बीच पंचशील समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने की 60 वीं सालगिरह के अवसर पर हाल ही में कोलकाता में आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की वाद–विवाद प्रतियोगिता में क्रमशः पहला और दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया। वाद–विवाद का विषय ''21 वीं सदी में पंचशील और इसकी प्रासंगिकता'' था। विजेता के रूप में, वे फाउंडेशन के साथ दो महीने की इंटर्नशिप के पात्र होंगे.

हेमंत कुमार यादव, पीएचडी., छात्र, शांति और संघर्ष अध्ययन और प्रबंधन विभाग, को, सिक्किम में युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनकी निरंतर पहल के लिए नेहरू युवा केन्द्र, गंगटोक, सिक्किम जोन की ओर से 17 मार्च, 2015 पर मंत्री आर बी सुब्बा, युवा मामलों के माननीय मंत्री, सिक्किम सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। हेमंत, इंदिरा गाँधी एनएसएस पुरस्कार 2014–05, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार 2006–07, दोनों खेल एवं युवा मंत्रालय, भारत सरकार से और सामुदायिक सद्भाव के लिए इंटरनेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ एनजीओ से कर्मवीर पुरस्कार से सम्मानित हैं।

CSDS में 9 मार्च से 20 मार्च 2015 को आयोजित, 'कंटेम्पररी मार्जिनलटी : हिस्ट्री, नॉलेज, थ्योरी' पर आयोजित कार्यशाला के लिए **श्री कच्यो लेपचा**, पीएचडी स्कॉलर, जिन्होंने जनसंचार विभाग में अपना एमफिल शोध प्रबंध पूरा किया, का चयन किया गया। कार्यक्रम का भुगतान **CSDS** के द्वारा किया गया।

शीत सांस्कृतिक अनुवाद कार्निवल की गाथा

यह शीत साहित्यिक समारोहों, सेमिनार, कार्यशालाओं और देश भर के सांस्कृतिक अनुवाद से संबंधित गतिविधियों का मौसम रहा है। इस अवसर पर दिनांक 7 नवंबर से 8 नवंबर 2014 तक अंग्रेजी विभाग द्वारा 'स्मृति एवं सांस्कृतिक अनुवाद रू काव्य एवं अमल' शीर्षक से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी–सह–कार्यशाला का आयोजन हुआ था, जिससे इन कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के छात्रों ने भाग लिया, अंग्रेजी में गजल रचना की कला के साथ जोड़ दिया, जिसे इसमें सांस्कृतिक अनुवाद विषय पर देश से आए छात्रों एवं विद्वानों ने महान विचारों का उदय हुआ, इस जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों और देखने को मिला, इंद्रप्रस्थ 2014 तथा वेस्ट बंगाल स्टेट

सीखी और उसे नेपाली लोक सामाग्री कार्यशाला की थीम में बनाया गया था। एक शैक्षणिक सत्र हुआ था, जिसमें पूरे भाग लिया था. उस दौरान चारों तरफ कार्यक्रम आयोजन के कुछ समय बाद, संकाय सदस्यों से जबरदस्त उत्साह विश्वविद्यालय ने दिल्ली में दिसंबर विश्वविद्यालय ने फरवरी 2015 में अलग–अलग दृष्टिकोण पर सांस्कृतिक अनुवाद पर सांस्कृतिक अनुवाद पर संगोष्ठी–सह–कार्यशालाओं का आयोजन किया। सांस्कृतिक अनुवाद का यह बुखार उत्सुकतापूर्वक एक ही समय में जनवरी, 2015 में दो प्रमुख साहित्यिक समारोहों में महसूस किया जा सकता है। मैं जयपुर साहित्यिक उत्सव में नहीं जा सकी, चूंकि मुझे हैदराबाद में बुलाया गया था। हैदराबाद साहित्यक उत्सव में उर्दू को इसके विशेष भाषा तथा पोलैंड को अतिथि देश के रूप में लिया। उद्घाटन सत्र में दास्तानगोई परंपरा के पुनरुद्धार को प्रदर्शन के माध्यम से मनाया गया और समापन समारोह में टॉम आल्टर की, जो खुद बड़े लुधियानवी के रूप में अभिनय किया, साहिर प्रस्तुति थी। इस प्रस्तुति में फिल्मो में एसडी बर्मन की पुरानी यादों में नम कर दी। मुझे उत्सव के आयोजकों आमंत्रित किया था और मुझे सांस्कृतिक अनुवाद के और जी.एन. देवी जैसे दिग्गजों की बौद्धिक चर्चाओं के

जयिता सेनगुप्ता
सह प्राध्यापक
अंग्रेजी विभाग

लुधियानवी के रचनात्मक जीवन की एक शानदार संगीतमय धुन में लुधियानवी की कुछ रचनाओं ने कई लोगों की आंखे ने अनुवाद और प्रकाशन सत्र में अध्यक्षता करने के लिए काव्यशास्त्र और लेखकों, रचनात्मक कलाकारों, प्रकाशकों पैनोरमा में भाग लेने के लिए विशेषाधिकार प्राप्त था। इस अवसर पर उन्होने आधुनिकता से संबन्धित कुछ बोधगम्य खुलासे सहित 'राष्ट्र की लुप्तप्राय भाषाएं' शीर्षक चिंतनीय विषय पर चर्चा की। इससे हमारे सिक्किम विश्वविद्यालय की कार्यशाला में कई मायनों में सांस्कृतिक अनुवाद का विषय गूंजी। उनकी प्रवचन, भाषा और संस्कृति के साथ सहमति उनके अनुवाद में भौगोलिक एवं अस्थायी स्थान, धुंधली सीमाएं एवं पहचान की एक कारवां है जो समग्र की एक चेतना में 'नाव' के रूप में परिवर्तित हुई है। एक ही उद्यम से साहित्य अकादमी ने भी गंगटोक में फरवरी 2015 में प्रथम वार के लिए छोटी कहानी महोत्सव का आयोजन किया जहां मुझे फिर से भावी लेखक एवं विद्वान के रूप में आमंत्रण किया गया। मैंने रचनात्मक लेखकों एवं हजारों श्रोता के बीच मेरी छोटी कहानी पढ़ने तथा देश के विविध संस्कृतियों एवं संदर्भों से अंग्रेजी अनुवाद में हजारों कहानियों को सुनने का आनंद उठाया। इसी तरह के स्वर के कंपन हमेशा ही एक दूसरे को आकर्षित करता है, मैं कोलकाता में एडन सोडर, प्रोफेसर, वॉइस, गीत एवं नृत्य के यूएमकेसी संरक्षक, यूएसए से मिली। उन्होने पश्चिमी शास्त्रीय संगीत में टैगोर की रचनाओं की सांस्कृतिक अनुवाद पर मेरे साथ अपने कार्यों को साझा किय और मुझे इस शहर में उनके प्रदर्शन में से एक में भाग लेने के लिए विशेषाधिकार प्राप्त हुआ था। वे फरवरी 2015 में सिक्किम विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में ओपेरा में शेक्सपियर के लाक्षणिक अनुवाद पर एक व्याख्यान देने के लिए एक फुलब्राइट स्कॉलर के रूप में आई थीं। मेरे बौद्धिक और रचनात्मक गतिविधियां सांस्कृतिक अनुवास से संबन्धित है और इयासी बजह से मुझे मिजोरम विश्वविद्यालय में मार्च 2015 के प्रारम्भ में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने का मौका मिला है, जिसमें सम्मेलन के भव्य समापन में चाप्चर कूट वसंत महोत्सव में प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। अपनी सांस्कृतिक इंटरफेस के साथ साहित्यिक समारोहों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का इस मौसम ने वास्तव में एक तरह की एक बौद्धिक और रचनात्मक कार्निवल बना दिया है। इस वींटर कार्निवल में मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हु।

काम ही काम, न कोई आमोद न आराम, फिर कैसे चमके चिपटू राम

तमन्ना तामंग,
दूसरा सेमेस्टर, एमए
जन संचार विभाग

30 मार्च से 4 अप्रैल के दौरान सिक्किम एमेच्योर माउंटेनियरिंग एसोसिएशन के सहयोग से सिक्किम विश्वविद्यालय ने एक छह दिवसीय बेसिक रॉक क्लाइम्बिंग एंड रेस्क्यू कोर्स का आयोजन किया। विश्वविद्यालय से चालीस छात्रों ने कोर्स में हिस्सा लिया।

भूस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के लगातार घटने को विचार में रखते हुए रॉक क्लाइम्बिंग और बचाव अभियान के बारे में मूल विचारों के साथ उन्हें लैस करने के लिए कोर्स शुरू किया गया।

सिक्किम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टीबी सुब्बा समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे. विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, टी के कौल ने भी समारोह में भाग लिया।

सिक्किम विश्वविद्यालय के कुलपति प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बचाव कार्य के लिए विश्वविद्यालय में एक प्रशिक्षित टीम के लिए इच्छुक रहे हैं। छात्रों को संबोधित करते हुए प्रो सुब्बा ने छात्रों को बधाई दी और टीम भावना जगाने और जीवन में प्रतिस्पर्धी और चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होने के लिए उन्हें आग्रह भी किया।

'रॉक क्लाइम्बिंग आपको विनम्र होना और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए एक टीम के साथ प्रतिस्पर्धी के रूप में भी काम करना सिखाता है' प्रोफेसर सुब्बा ने कहा। प्रोफेसर सुब्बा ने छात्रों ने प्रदर्शन भी देखा और इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए छात्रों को निर्देशित करने वाली एसएएमए के प्रशिक्षकों की टीम के प्रयासों की सराहना की।

कुलपति ने आशिम सुब्बा और ओंग्दुप लेपचा जो कि सर्वश्रेष्ठ महिला और पुरुष पर्वतारोही के रूप में घोषित किए गए, को प्रमाण पत्र दिया।

एसएएमए के अध्यक्ष ने भी प्रदर्शन की सराहना की और मई में सिक्किम में आयोजित होने आगामी राष्ट्रीय बोल्डरिंग प्रतियोगिता के लिए दो सबसे अच्छे पर्वतारोहियों को प्रायोजित करने की घोषणा की।

के.जी. भूटिया, एवरेस्ट विजेता और पाठ्यक्रम के निदेशक, एसएएमए, ने अन्य प्रशिक्षकों की एक टीम के साथ–साथ वरिष्ठ प्रशिक्षक के रूप में पाठ्यक्रम का नेतृत्व किया।

जिग्मी वांगचुक, सहायक प्रोफेसर, पर्यटन विभाग, और समन्वयक, सिक्किम विश्वविद्यालय खेल बोर्ड, ने छात्रों के लिए प्रशिक्षण का समन्वय किया.उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम को आयोजित करने के उद्देश्य रॉक क्लाइम्बिंग और खोज और बचाव अभियानों के लिए के आधारभुत सिद्धांतो पर छात्रों को प्रशिक्षित करने और किसी भी स्थिति के मामले में उन्हें खोज और बचाव करने के लिए तैयार रखने के लिए किया गया।

स्वाइन फ्लू पर एक जागरूकता कार्यक्रम

हैल्थ केयर मानव सेवा और परिवार कल्याण विभाग, एसटीएनएम अस्पताल, सिक्किम सरकार के सहयोग से सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, ने सिक्किम मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के लेक्चर थियेटर तीन में

स्वाइन फ्लू पर डॉ एच तिवारी, विभागाध्यक्ष माइक्रोबायोलॉजी द्वारा संबोधन

11 मार्च, 2015 को अपराह्न 2.30 से 4.30 बजे तक स्वाइन फ्लू पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम डीन, लाइफ साइंसेज के स्कूल, सिक्किम विश्वविद्यालय, प्रो डॉ ज्योति प्रकाश तामंग की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर विश्वविद्यालय के छात्रों कर्मचारियों और समुदाय के बीच स्वाइन फ्लू की रोकथाम पर ज्ञान का प्रसार करने के लिए किया गया था। हमारे विश्वविद्यालय के 100 से अधिक छात्रों और स्टाफ के सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम के लिए स्रोत वक्ता एसटीएनएम अस्पताल, गंगटोक से चिकित्सा विशेषज्ञ, डॉ संजय उप्रेती, और सूक्ष्म जीव विज्ञानी डॉ तारा शर्मा थे। उन्होंने क्रमशः स्वाइन फ्लू के नैदानिक और सूक्ष्म जीव विज्ञानी पहलुओं पर अपनी बात रखी। डॉ संजय उप्रेती ने राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली संचरण, लक्षण, जांच, उपचार और निदान सुविधाओं की प्रेरणा का

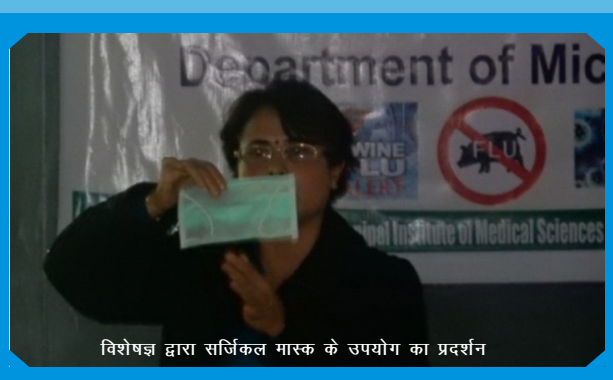

विशेषज्ञ द्वारा सर्जिकल मास्क के उपयोग का प्रदर्शन

एजेंट, संक्रामक चरणों, मोड पर एक सामान्य अवधारणा प्रस्तुत की। डॉ तारा शर्मा ने भारत में एच1एन1 वायरस की वर्तमान स्थिति के बारे में और स्वाइन फ्लू के सूक्ष्म जीव विज्ञानी पहलुओं पर व्याख्यान दिया। इसके अलावा, उन्होंने या सूचना भी दी कि सिक्किम में अभी तक स्वाइन फ्लू की कोई रिपोर्ट नहीं है।

डॉ तारा शर्मा ने संक्रमण से बचने के लिए एक व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के रूप में

स्वाइन फ्लू जागरूकता कार्यक्रम के लिए प्रतिभागी

सर्जिकल मास्क का उपयोग करने की विधि का प्रदर्शन किया। उन्होंने यह भी कहा कि सरल और प्रभावी रक्षात्मक उपायों और एक स्वस्थ जीवन शैली का पालन करके रोग से दूर रहा जा सकता है। उनके अनुसार, टीकाकरण रणनीति 100: प्रभावी नहीं है और केवल उन व्यक्तियों जो कि संक्रमण प्राप्त करने के उच्च जोखिम में हैं, टीकाकरण की आवश्यकता हो सकती है। व्याख्यान के बाद एक अंतरात्मक सत्र का आयोजन हुआ जिसमे विभिन्न धाराओं के छात्रों ने स्वाइन फ्लू से संबंधित अपने संदेह को दूर किया।

विश्व क्षय रोग दिवस 2015 को क्षय रोग पर एक जागरूकता कार्यक्रम

विश्व टीबी दिवस पर क्षय रोग पर बात करते हुए डॉ एच के तिवारी

विश्व टीबी दिवस समारोह के दर्शक

24 मार्च, 2015 को सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, जीवन विज्ञान विद्यापीठ, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा नए विज्ञान भवन, तादोंग, गंगटोक में विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर, तपेदिक पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्यतपेदिक के कारणों, संचरण के तरीके, रोकथाम और इलाज के बारे में जागरूकता फैलाना था. कार्यक्रम का विषय विश्व टीबी दिवस के लिए वर्ष 2015 के लिए नारा अर्थात् ''रीच ट्रीट एंड क्योर एवरीवन'' था। कार्यक्रम के लिए प्रतिभागियों में भूविज्ञान, गणित, भौतिकी और सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के छात्र और संकाय सदस्य थे।

एमएससी माइक्रोबायोलॉजी छात्रों द्वारा क्षय रोग पर एकांकी

क्षय रोग अभी भी उच्च रुग्णता और मृत्यु दर की बीमारी बनी हुई है। वर्तमान परिदृश्य में तपेदिक के प्रसार के मामलों में बहु दवा प्रतिरोध (एमडीआर) मामलों की घटनाओं के साथ वृद्धि हुई है। एमडीआर टीबी के मामले मुख्य रूप से तपेदिक के लिए दवा (डॉट्स) के अधूरे कोर्स की वजह से उत्पन्न होते हैं। इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम के इस रोग से जुडी जानकारी और संबंधित खतरे का संदेश प्रसारित करने और इसकी रोकथाम के उपायों और नियंत्रण में मदद करते हैं। इस कार्यक्रम के उद्देश्यों में से छात्रों को इस तरह के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए शामिल करने के लिए जो कि न सिर्फ अपने ज्ञान को बढ़ाने, बल्कि साथ ही अपने संचार कौशल और इवेंट मैनेजमेंट को विकसित करने में मदद मिलेगी जिससे कि भविष्य की संभावनाओं में उन्हें मदद मिलेगी।

कार्यक्रम की कार्यवाही डा. हरे कृष्ण तिवारी, सिर और हकदार विभाग के छात्रों द्वारा एक प्रहसन प्रदर्शन द्वारा पीछा माइक्रोबायोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा तपेदिक पर एक प्रस्तुति शामिल ''रीच समझो और हर कोई इलाज''। तपेदिक की दवा (डॉट्स) पर एक प्रस्तुति सुश्री मीरा ओंग्मु भूटिया, सूक्ष्म जीव विज्ञान की पीएचडी छात्र द्वारा दी गई। एक पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया और इस कार्यक्रम में सूक्ष्म जीव विज्ञान के एमएससी द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों ने भाग लिया। श्री जीसन, श्री मीनाजुल और श्री राणा से मिलकर बनी टीम को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। द्वितीय पुरस्कार सुश्री पल्लवी कुमारी को और सुश्री प्रियम्बदा को तृतीय पुरस्कार दिया गया। पोस्टर प्रतियोगिता के लिए न्यायाधीशों में डॉ बीएम तामंग, डॉ बिमला सिंह और डॉ मोहम्मद. अब्दुल्ला खान थे।

विश्व टीबी दिवस पर पोस्टर का मूल्यांकन करते न्यायाधीश

विश्व टीबी दिवस 2015 की आयोजक टीम

विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

श्रीमती रहना राय, अध्यक्ष, राज्य महिला आयोग, सिक्किम विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में बोलते हुए.

सिक्किम विश्वविद्यालय, राजनीति विज्ञान विभाग ने सम्मेलन कक्ष, बराद सदन में 13.03.15 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। श्रीमती रहना राय, अध्यक्ष, राज्य महिला आयोग (सिक्किम) मुख्य अतिथि थीं और विशिष्ट अतिथि सुश्री योसा लाचेंपा, न्यायिक अधिकारी, राज्य महिला आयोग थी।

''राज्य महिला आयोगःप्रदर्शन और भूमिका'' और ''सिक्किम में महिलाएँः मुद्दे और चुनौतियां'' विषयों पर क्रमशः श्रीमती राय, और सुश्री लाचेंपा द्वारा दो विशेष व्याख्यान दिए गए। श्रीमती राय ने सिक्किम राज्य में महिलाओं के अधिकारों के संरक्षणम को बढ़ावा देने के लिए आयोग द्वारा की गई विभिन्न पहलों और उपायों पर बात की.सुश्री लाचेंपा ने राज्य में महिलाओं के बारे में विभिन्न समस्याओं और मुद्दों पर बात की। उन्होंने बताया कि सामाजिक कल्याण विभाग विभिन्न राज्य प्रायोजित योजनाओं को लागू कर रही है जो कि प्रभावी ढंग से महिलाओं की मदद कर रहे हैं। उन्होंने राज्य में महिलाओं से संबंधित मामलों और समस्याओं से विभिन्न प्रकार से निपटने में अपने व्यावहारिक अनुभव दर्शकों के साथ साझा किए।

समाज में व्याप्त अन्याय 'दहेज', 'गर्भपात प्रथा', 'यौन उत्पीड़न' आदि पर चित्रित वीडियो क्लिप प्रदर्शित की गई। इसके बाद महिलाओं से संबंधित मुद्दों और समस्याओं पर राजनीति विज्ञान के छात्रों द्वारा कविता–पाठ और व्याख्यान हुए।

महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण पर आधारित भाषण और पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाणपत्र वितरित किए गए।